॥ सत्संग अमर जड़ी है भजन ॥

Chalisamantras.com

सत्संग अमर जड़ी है,
जो कोई लाभ लियो सत्संग को,
वाने खबर पढ़ी है,
जग में सत्संग अमर जड़ी है ।

प्रहलादे संगत सिरिया देरी कीनी,
रामजी री खबर पड़ी है,
हिरणाकुश ने थम्भ तपायो,
थम्भ से बाथ भरी है ।
जग में सत्संग अमर जड़ी..

नरसी रे संगत पीपा जीरी कीनी,
सुई पर बात अड़ी है,
छप्पन करोड रो भरियो मायरो,
आया ए आपहरी है ।
जग में सत्संग अमर जड़ी..

रामजी संगत सुग्रीव री कीनी,
वानरों री फौज बणी है,
वानरों री काँहि सिमरथा,
जाय रावण से लड़ी है ।
जग में सत्संग अमर जड़ी..

लोहे संगत काठरी कीनी,
भाई जलपर जहाज तिरी है,
रामानन्द रा भणे कबीरा,

Chalisamantras.com

बिल्कुल बात खरी है ।
जग में सत्संग अमर जड़ी..

सत्संग अमर जड़ी है,
जो कोई लाभ लियो सत्संग को,
वाने खबर पढ़ी है,
जग में सत्संग अमर जड़ी है ।

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com